सीएसआईआर–सीरी, पिलानी में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती का आयोजन

भारत रत्न एवं भारतीय संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर दिनांक 14 अप्रैल, 2026 को सीएसआईआर–केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर–सीरी), पिलानी में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। संस्थान के सम्मेलन कक्ष में आयोजित गरिमामयी कार्यक्रम का उद्देश्य डॉ. अंबेडकर के जीवन, उनके विचारों तथा सामाजिक समता एवं न्याय के प्रति उनके योगदान को स्मरण करना एवं उनसे प्रेरणा ग्रहण करना था।

श्रद्धांजलि देने के उपरांत अध्यक्षीय संबोधन देते हुए
डॉ सुचंदन पाल, मुख्य वैज्ञानिक

कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानापन्न निदेशक डॉ. सुचंदन पाल, मुख्य वैज्ञानिक ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने डॉ. भीमराव अंबेडकर के बहुआयामी व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके विचारों को वर्तमान समय में अत्यंत प्रासंगिक बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने शिक्षा, संगठन और संघर्ष के माध्यम से समाज में समानता और न्याय की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा स्थापित मूल्यों के अनुरूप कार्य करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

इससे पूर्व कार्यक्रम के प्रारंभ में संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं सहकर्मियों ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इसके पश्चात उपस्थित वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों ने विचार गोष्ठी में सक्रिय सहभागिता करते हुए डॉ अंबेडकर की जीवन यात्रा पर अपने विचार व्यक्त किए। गोष्ठी के दौरान डॉ. अनिर्बान बेरा, मुख्य वैज्ञानिक ने डॉ अंबेडकर की जीवन यात्रा, शिक्षा एवं कार्यक्षेत्र आदि पर संक्षेप में प्रकाश डाला।

इसके अलावा डॉ. अयन बंद्योपाध्याय, डॉ. उदित नारायण पाल, डॉ. कुलदीप सिंह, श्री प्रमोद तँवर, डॉ. रंजन कुमार बारिक, डॉ. शिवेन्द्र मौर्य, डॉ. नीरज कुमार, डॉ. गौरव पुरोहित तथा डॉ. बी. ए. बोले ने डॉ. अंबेडकर के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा करते हुए उनके संघर्षपूर्ण जीवन, शिक्षा के प्रति उनके समर्पण, भारतीय संविधान के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका तथा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध उनके निरंतर संघर्ष को विशेष रूप से रेखांकित किया।

विचार गोष्ठी में डॉ अंबेडकर पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए
श्री मधुरंजन पाण्डेय, प्रशासन नियंत्रक

इस अवसर पर श्री मधुरंजन पाण्डेय, प्रशासन नियंत्रक ने कहा कि डॉ अंबेडकर ने सामाजिक न्याय, समानता और मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए जो विचारधारा प्रस्तुत की, वह आज भी समाज के सर्वांगीण विकास के लिए पथप्रदर्शक है।

इसके अलावा श्री प्रहलाद राय जाट, डॉ आलोक मिश्र, श्री मणिभूषण सिंह, श्री मुकेश भट्ट, श्री विजेन्द्र कुमार आदि अधिकारियों/सहकर्मियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. अंबेडकर के आदर्शों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। वक्ताओं ने विशेष रूप से उनके प्रेरक संदेश - *"शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो"*- को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान करते हुए कहा कि महापुरुष किसी एक वर्ग या समुदाय के नहीं अपितु पूरे देश के होते हैं।

गोष्ठी के दौरान डॉ बी आर अंबेडकर को श्रद्धांजलि देते हुए सहकर्मीगण

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने यह भी उल्लेख किया कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने सामाजिक न्याय, समानता और मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए जो विचारधारा प्रस्तुत की, वह आज भी समाज के सर्वांगीण विकास के लिए मार्गदर्शक है।

कार्यक्रम का समापन प्रशासन नियंत्रक श्री मधुरंजन पाण्डेय द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री रमेश बौरा, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी

कार्यक्रम का संचालन श्री रमेश बौरा, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी ने किया। संचालन के दौरान उन्होंने कहा कि यह विचार गोष्ठी न केवल डॉ. अंबेडकर के जीवन और योगदान को स्मरण करने का एक सार्थक प्रयास है, बल्कि उपस्थित सभी प्रतिभागियों को उनके आदर्शों का अनुसरण करते हुए समाज के उत्थान में योगदान देने के लिए प्रेरित भी करती है।